Raj Express (Indore), 19th April 2022, Page-03

85 पेटेंट में से 16 आईआईटी इंदौर के नाम

इंदौर। आईआईटी इंदौर को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय से ऑफसेट कंपेंसेटेड डाटा सेंसिंग टेक्निक फोर लो एनर्जी एम्बंडेड एसआरएएम पर अपना 16 वां पेटेंट प्राप्त हुआ। पेटेंट के आविष्कारक डॉ. भूपेंद्र सिंह रेनीवाल और प्रोफेसर संतोष कुमार विश्वकर्मा हैं। इस आविष्कार ने कम ऊर्जा वाले इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के लिए डिजाइन किए गए अर्धचालक मेमोरी आर्किटेक्चर के विकास को जन्म दिया है जो आधुनिक आईसी निर्माण प्रक्रिया में बदलाव को सहन कर सकता है। पारंपरिक माइक्रो प्रोसेसर-आधारित हैंड-हेल्ड डिवाइस में एम्बेडेड मेमोरी शामिल होती है जो सिस्टम-ऑन-चिप के एक बड़े हिस्से की विशेषता होती है। चिप निर्माण के दौरान ऑफसेट के कारण कार्यात्मक विफलता की संभावना है। यह तकनीक उभरते हुए चिप्स को प्रोसेसर ऑन-चिप मेमोरी से डेटा को पढ़ने के लिए पर्याप्त तेज होने में सक्षम बनाएगी। यह न्यूरोमॉर्फिक कम्प्यूटिंग चिप्स, कम ऊर्जा पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों, स्मार्टफोन, व्यक्तिगत स्वास्थ्य सहायकों व स्मार्ट साइबर-भौतिक सिस्टम अनुप्रयोगों में डेटा प्रोसेसिंग के लिए सटीकता, गति और ऊर्जा की बचत भी करेगा। अब तक दाखिल किए गए 85 पेटेंटों में से संस्थान का यह 16वां पेटेंट हैं।